आरती – ताल – एकताल – विलंबित लय

आरती किजीए नृत्यकला की, लास्यव तांडव ताल धमार की,

आडी कुआडी, बीआडी लय गति, चतुर्ष खंड त्रिताल की,

आरती .....

चतुर्ष, तीश्र, खंड जाती, मिश्र जाती, संकीर्ण की,

परन तोडा ततकार की,

पद, भजन अष्टपदि, सुंदर आरती नृत्य कला की,

आरती .....

सम, विसम, अतित अनाघात, श्याम पुराण वेद की,

गायन, वादन नृत्य कला की, सुंदर गत अंग भाव की

आरती .....

ठा दु – चौगुन पलटा, चौबीस मुद्रा नृत्य कला की,

चार वेद, अठाराह पुराण, सुंदर आभुषण श्रृंगार की,

आरती .....

रचना :

– पंडित सुंदरलाल गंगानी